आउटकम बजट 2022–23

विभाग का नामः– पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड

विभाग के अर्न्तगत प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी0ः–(Goal-1: No Poverty, Goal-2: Zero Hunger & Goal-9: Infrastructure)

(धनराशि लाख रू0 में)

क्रं0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले/बजट (लाख रू०) (2022–23)		1.04.2021 की स्थिति वास्तविक (भौतिक स्थिति)	31.03.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु संभावित समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
केन्द्र पोषित योजना–			राजस्व	पूंजीगत					
1	उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद– 50 प्र.के.पो.	राज्य में पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना।	**0.06**	**0.00**	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः नया पंजीकरणः–46 नवीनीकरण–75	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः नवीनीकरण–224 स्थायी पंजीकरण– 29	पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरण। नवीनीकरण/स्थायी पंजीकरण /अस्थाई पंजीकरण	पशुचिकित्साविदों हेतु वैधानिक संस्था का गठन कर उत्तराखण्ड़ के पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कर पशुपालकों को स्तरीय पशुचिकित्सा सेवा देना।	निरन्तर
2	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (90 प्र.के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु लाजिस्टिकस वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन।	**1729.40**	**0.00**	HS-3.93 लाख, BQ-1.98 लाख, ARV-0.91 लाख, FP-2.39 लाख, RD-2.70 लाख।	HS- 1.29 लाख, BQ- 0.74 लाख, ARV- 0.83 लाख, FP- 1.28 लाख, RD- 1.85 लाख।	190 ब्लाकस्तर एंव 13 जनपद स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन / टीकाकरण। HS-4.00 लाख, BQ-2.00 लाख, ARV-1.00 लाख, FP-1.00 लाख, RD-1.00 लाख।	1.प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना। 2. पशुओं की चिकित्सा कर उनका उत्पादन बढाना। 3. पशुपालकों में संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता।	निरन्तर
3	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एंव सुदृढीकरण–MVV का सचांलन	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण कर अवस्थापना विकास।	**1146.00**	**0.02**	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	मोबईल वेटनरी यूनिट के माध्यम से सुविधा उपलब्ध कराना।	60 मोबईल वेटनरी यूनिट के माध्यम से सुविधा उपलब्ध कराना।	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	निरन्तर
4	पशुधन स्वास्थ्य व रोग नियंत्रण कार्यक्रम –100 प्र.के.स.	पी.पी.आर रोग पर नियंत्रण।	**92.32**	**0.00**	पी0 पी0 आर0–7.66 लाख	पी0 पी0 आर0 – 10.11 लाख	13.00 लाख टीकाकरण कर रोग नियंत्रण।	भेड एवं बकरियों की मृत्यु दर में नियंत्रण कर उत्पादकता में वृद्धि।	निरन्तर
5	नेशनल पशुधन मिशन– के0स0	नेशनल पशुधन मिशन का संचालन।	**3651.88**	**0.00**	पशुओं का बीमा–59474 मदर पोल्ट्री–03 इनोवेटिव पोल्ट्री (लाभार्थी)–20	पशुओं का बीमा– 0.76 लाख	पशुओं का बीमा, स्मॉल रूमिनेन्ट सूकर विकास एवं कौशल विकास पशुओं का बीमा–1.90 लाख	रिस्क मैनेजमेन्ट (पशु बीमा) चारा विकास, कौशल विकास, मदर कुक्कुट पालन इकाई स्थापना।	निरन्तर

क्रं0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले/बजट (लाख रू०) (2022–23)		1.04.2021 की स्थिति वास्तविक (भौतिक स्थिति)	31.03.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु संभावित समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
6	प्रदेश में 20वीं पशुगणना का कार्य 100 प्र.के.स.	पशुगणना संबंधी कार्यों का सम्पादन।	**0.03**	**0.00**	राज्य में 20वीं पशुधन संगणना का कार्य सम्पन्न ।	राज्य में 20वीं पशुधन संगणना का कार्य सम्पन्न।	20वीं पशुधन संगणना के आकड़ों का राज्य कें विभिन्न योजनाओं में उपयोग।	विभिन्न कार्यकमों हेतु पशु संख्या संबंधी ऑकड़े एकत्रित करना तथा उनका उपयोग राज्य विकास हेतु करना।	निरन्तर
7	सांख्यिकीय प्रकोष्ठ की स्थापना	पशुजन्य उत्पादों के अनुमानों का ऑगणन।	**144.05**	**0.00**	29 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही स्वदेशी गाय–2.441 कि0ग्रा0। वार्षिक अण्डा उत्पादन प्रति मुर्गी–223। वार्षिक ऊन उत्पादन प्रति भेड़–1.648 कि0ग्रा0 मॉस उत्पादन प्रति बकरी–15.134 कि0ग्रा0। दुग्ध उत्पादन–1797.452 ह०मी०टन। अण्डा उत्पादन–4924.136 लाख संख्या। मीट उत्पादन–185.829 लाख कि०ग्रा०। ऊन उत्पादन–436.012 ह०कि०ग्रा०।	29 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2021–22 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–2126 ह0मी0टन। अण्डा उत्पादन–5007 लाख संख्या। ऊन उत्पादन– 480 ह0कि0ग्रा0। मीट उत्पादन– 314 लाख कि0ग्रा0।	29 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2022–23 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–2389 ह0मी0टन ।अण्डा उत्पादन–5157 लाख संख्या। ऊन उत्पादन– 530 ह0कि0ग्रा0। मीट उत्पादन– 327 लाख कि0ग्रा0।	योजनाओं के आधारभूत आंकडें जुटा कर भविष्य की योजनायें बनाना।	निरन्तर
8	नकुल स्वास्थ्य पत्र	पशुपालक के द्वार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	**0.03**	**0.00**	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	पशुओं की पहचान व स्वास्थ्य की जानकारी सैक्स सार्टेड सीमन विधि।	निरन्तर
9	लिंग वर्गीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र	मादा संतति के उत्पादन से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि	**0.06**	**0.00**	स्ट्रो उत्पादन–2.50 लाख स्ट्रो वितरण–2.54 लाख	स्ट्रा उत्पादन– 2.97 लाख स्ट्रो वितरण – 3.57 लाख कृत्रिम गर्भाधान – 1.42 लाख	03 लाख स्ट्रा उत्पादन कर कृत्रिम गर्भाधान को बढावा देना व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	पशुओं का नस्ल सुधार करना। कृत्रिम गर्भाधान से अधिक मादा संतति उत्पन्न होने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
योग (केन्द्र पोषित योजना)			**6763.83**	**0.02**					
राज्य सैक्टरः–									

क्रं0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले/बजट (लाख रू०) (2022–23)		1.04.2021 की स्थिति वास्तविक (भौतिक स्थिति)	31.03.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु संभावित समयावधि
1	निदेशालय (अधिष्ठान)	विभागीय संस्थाओं हेतु औषधि/पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था तथा राज्य मण्डल तथा जनपद स्तरीय कार्यालयों के कार्यो का संचालन।	**25428.56**	**0.00**	लगभग 3000 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुचिकित्सा–40.06 लाख। बधियाकरण–1.60 लाख। बड़े पशुओं में दवापान–1.19 लाख। कृत्रिम गर्भाधान–7.77 लाख। कृ0 गर्भा0 से उत्पन्न संतति–3.30 लाख। भेड़ों में दवापान–8.49 लाख। भेड़ों में दवास्नान– 7.97 लाख।	लगभग 3000 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुचिकित्सा – 39.54 लाख। बधियाकरण–1.49 लाख। बड़े पशुओं में दवापान–3.66 लाख। कृत्रिम गर्भाधान– 7.82 लाख। कृ0 गर्भा0 से उत्पन्न संतति– 3.11 लाख। भेड़ों में दवापान– 8.93 लाख। भेड़ों में दवास्नान– 8.47 लाख।	लगभग 3120 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुचिकित्सा – 30.00 लाख। बधियाकरण–1.00 लाख। बड़े पशुओं में दवापान–44.00 लाख। कृत्रिम गर्भाधान– 7.50 लाख। कृ0 गर्भा0 से उत्पन्न संतति– 3.00 लाख। भेड़ों में दवापान–7.50 लाख। भेड़ों में दवास्नान– 7.50 लाख।	राज्य के पशुचिकित्सालयों व औषधालय में भेड़, पशुधन, सूकर, बकरी प्रक्षेत्रों व संस्थाओं के नैतिक कार्यों का संचालन व उपचार तथा रोग नियंत्रण से उत्पादकता में वृद्धि ।	निरन्तर
2	राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य	स्टेट ऑफ आर्ट के अर्न्तगत (पशुचिकित्सालय का निर्माण)	**0.00**	**200.00**	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण –01	कुक्कुट प्रक्षेत्र पशुलोक में ब्रूडर/ग्रोवर हाउस का निर्माण	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण	स्टेट आफ आर्ट पशु चिकित्सालय का निर्माण	एक वर्ष
3	पशु चिकित्सालयों, पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (रा0सै0)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा /आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना।	**0.00**	**50.00**	पशु सेवा केन्द्र – 02	पशु चिकित्सालय –01	विभागीय संस्थाओं को विभागीय भवनों में व्यवस्थित करना, अवस्थापना विकास।	विभागीय भवनों में आधुनिक उपकरण स्थापित कर आधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	एक वर्ष
4	ब्लाक स्तर पर विभिन्न पशु चिकित्सालयों का संचालन एवं क्रियान्वयन	पशु चिकित्सालयों में आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता	**9.90**	**0.00**	पशुचिकित्सालयों में अल्ट्रासाउन्ड का संचालन –09	पशुचिकित्सालयों में आधुनिकीकरण	पशुचिकित्सालयों में अल्ट्रासाउन्ड आदि की सुविधा	पशुओं की आधुनिक तकनीकी से चिकित्सा कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
5	राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत पशुधनबीमा योजना का संचालन		**0.01**	**0.00**	––	––			निरन्तर
6	नकुल स्वास्थ्य पत्र/पशुधन	पशुपालक के द्वार पर चिकित्सा सुविधा	**17.09**	**0.00**	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	टैबलेट कनेक्टीविटी – 1055	पशुओं की पहचान व स्वास्थ्य की जानकारी सैक्स सार्टेड	निरन्तर

	संजीवनी	उपलब्ध कराना।						सीमन विधि से	
7	पशुपालकों को लिंग वर्गीकृत वीर्य हेतु अनुदान	सैक्स सार्टेड सीमन में पशुपालकों को अनुदान उपलब्ध करना	**1500.00**	**0.00**	स्ट्रा उत्पादन–2.50 लाख स्ट्रा वितरण–2.54 लाख ।	स्ट्रा उत्पादन– 2.97 लाख स्ट्रा वितरण – 3.57 लाख कृत्रिम गर्भाधान –1. 42 लाख	3 लाख सैक्स सार्टेड सीमन के उत्पादन ।	कृत्रिम गर्भाधान से मादा संतति उत्पन्न। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
8	परजीवी कृमियों से बचाव	रोग नियंत्रण	**400.00**	**0.00**	––	6.59 लाख पशुओं का परजीवी कृमियों से बचाव।	44.00 लाख पशुओं का परजीवी कृमियों से बचाव।	पशु स्वस्थ होने से पशुपालक की आर्थिकी में सुधार व दुग्ध /मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
9	पैरावेट को कृत्रिम गर्भाधान प्रोत्साहन योजना	प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता को नस्ल सुधार कार्यक्रम हेतु प्रोत्साहित करना	**150.00**	**0.00**	प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता संख्या–626	कार्यरत प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता संख्या–695	कार्यरत प्राईवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता संख्या–695	कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुओं में सुधार ।	निरन्तर
10	पशुओं को विभिन्न रोगों के संक्रमण से बचाने की योजना	पशुपालक के पशुओं का संक्रामक बीमारियों से बचाव तथा रोग नियंत्रण।	**20.00**	**0.00**	आकस्मिक/आपदा/विशेष क्षेत्र में किसी बिमारी के फैलने की स्थिति में होने वाला व्यय।	आकस्मिक/आपदा/विशेष क्षेत्र में किसी बिमारी के फैलने की स्थिति में होने वाला व्यय।	आकस्मिकता की स्थिति हेतु जीवन रक्षक औषधि इत्यादि का क्रय व भण्डारण।	प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना।	निरन्तर
11	गौसदनों की स्थापना–	निराश्रित/गौवंशीय पशुओं को संरक्षण प्रदान करना।	**1500.00**	**0.00**	पंजीकृत स्वयंसेवी संस्था – 32	पंजीकृत स्वयंसेवी संस्था – 38 भरणपोषण हेतु अनुदान प्राप्त पंजीकरण गौसदन–38	पंजीकृत स्वयंसेवी संस्था – 38 भरणपोषण हेतु अनुदान प्राप्त पंजीकरण गौसदन–38	बीमार, अशक्त, पशुओं को उचित शरणस्थली प्रदान करना तथा दुर्धटना आदि को रोकना जनस्वास्थ्य एवं यातायात को प्रभावित होने से रोकना, गौवंश संरक्षण।	निरन्तर
12	महिला बकरी पालन योजना	अशक्त, विधवा महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**105.00**	**0.00**	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि। 358 बकरी पालन इकाईयों स्थापना।	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि। 300 बकरी पालन इकाईयों स्थापना।	300 महिला बकरी पालन इकाईयों की स्थापना।	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
क्रं0 सं0	**योजना का नाम**	**योजना के उद्देश्य**	**आउट ले/बजट (लाख रू०) (2022–23)**		**1.04.2021 की स्थिति वास्तविक (भौतिक स्थिति)**	**31.03.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)**	**परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23**	**परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23**	**आउटकम हेतु संभावित समयावधि**
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**

13	बकरी पालन योजना	लोगों को बकरी पालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**747.18**	**0.00**	बकरी पालन इकाई की स्थापना – 517	बकरी पालन इकाई की स्थापना – 524	1186 लाभार्थियों को बकरी पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	बकरी पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
14	भेड़ पालन योजना	लोगों को भेड़ पालन की ओरप्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**75.60**	**0.00**	भेड पालन इकाई की स्थापना – 148	भेड पालन इकाई की स्थापना –132	120 लाभार्थियों को भेड़ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	भेड पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना साथ ही ऊन, में वृद्वि करना। मांस उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
15	गो पालन योजना	लोगों को गौपालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	**222.12**	**0.00**	गौ पालन इकाई की स्थापना – 674	गौ पालन इकाई की स्थापना – 616	617 लाभार्थियों को गौ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	गौ पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
16	चारा बैंकों (भण्डारण एवं वितरण गृह) की स्थापना	न्याय पंचायत स्तर पर संपीडित सुपाच्य चारा उपलब्ध कराना।	**34.00**	**0.00**	09 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना।	–	02 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना करना।	सुपाच्य संपीडित चारा निकटस्थ स्थान पर उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
17	नाबार्ड पोषित योजनायें	03 भेड़ प्रक्षेत्रों, हीफर रिपेरिंग सेंटर व प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना व सुदृढ़ीकरण/ आधुनिकीकरण	**100.00**	**1000.00**	03 भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र 01 हीफर केन्द्र 01 प्रशिक्षण केन्द्र	03 भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र 01 हीफर केन्द्र 01 प्रशिक्षण केन्द्र 02 पशुधन प्रक्षेत्र 02 कुक्कुट प्रक्षेत्र	भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण एक हीफर केन्द्र व एक प्रशिक्षण केन्द्र, पशुरोग नियंत्रण प्रयोगशला व वैटरिनरी रैफरल कम ट्रेनिंग सेन्टर की स्थापना। 02 पशुधन प्रक्षेत्र एवं 02 कुक्कुट प्रक्षेत्र का सुदृढ़ीकरण/ आधुनिकीकरण	प्रक्षेत्रों का आधुनिकीकरण एवं आधुनिकतम तकनीक का प्रशिक्षण से विभागीय कार्यों को गति प्रदान करना।	निरन्तर
क्रं0 सं0	**योजना का नाम**	**योजना के उद्देश्य**	**आउट ले/बजट (लाख रू०) (2022–23)**		**1.04.2021 की स्थिति वास्तविक (भौतिक स्थिति)**	**31.03.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)**	**परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23**	**परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23**	**आउटकम हेतु संभावित समयावधि**
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**

18	भेंड़ बकरी विकास विभाग	भेंड़ों में नस्ल सुधार कर पशुपालको के आय में बढोत्तरी करना।	**10.00**	**0.00**	––	––	भेंड़ पालकों के पास पूर्व में उपलब्ध स्थानीय नर मेढे को प्रतिस्थापित करते हुए मैरीनो नर मेढों को प्रजनन हेतु उपलब्ध कराया जायेगा।	भेंड़ों कें नस्ल सुधार होने से भेडो के ऊन की गुणवत्ता में वृद्धि एवं उत्पादन में भी बढोत्तरी होगी जिससे पशुपालको के आय में वृद्धि होगी।	निरन्तर
19	मदर पोल्ट्री ईकाई की स्थापना	कुक्कुट पालन में स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना	**500.00**	**0.00**	––	––	95 विकास खण्ड में मदर पोल्ट्री ईकाई की स्थापना करना।	कुक्कुट व्यवसाय को अपनाने से पशुपालकों की आय में वृद्धि तथा प्रोटीन युक्त संन्तुलिल भोजन उपलब्ध होगा।	
20	कृत्रिम गर्भाधान हेतु वायफ केन्द्रों का सांचालन	कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुपालकों के पशुओं का नस्ल सुधार करना	**200.00**	**0.00**	––	––	100 वायफ केन्द्रों की स्थापना कर नस्ल सुधार करना।	पशुपालक के पशुधन की नस्ल सुधार होने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होने से पशुपालक की आय में वृद्धि होगी।	
	योग (राज्य सैक्टर)		**31019.46**	**1250.00**					
कुल योग – (केन्द्र पोषित एवं राज्य सैक्टर योजना)			**37783.29**	**1250.02**					